अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

निर्जरा, बंध, मोक्ष–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 16

निर्जरा–किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखे–

(क) अभ्यासवर्तित्व किसे कहते हैं? यह किसका भेद है?

(ख) लब्धि वीर्य व करण वीर्य किसे कहते हैं?

(ग) गण व्युत्सर्ग किसे कहते हैं?

(घ) निश्चय से बाह्य और आभ्यन्तर तप दोनों को अंतरंग क्यों कहा है?

(ड़) भिक्षाचर्या भिक्षाटन को तप किन कारणों से कहा गया है?

(च) भगवती सूत्रानुसार किन कारणों से साधु देवलोक में जाता है?

बंध–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखे–

(छ) कर्म स्कन्ध का ग्रहण जीव किसी एक प्रदेश से करता है या सर्वात्मना करता है?

(ज) विपाक काल व निषेक काल में क्या अन्तर है?

(झ) बंध के चार प्रकारों में योग और कषाय किस बंध के हेतु हैं?

मोक्ष–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखे–

(ञ) लोकानुभव किसे कहते हैं?

(ट) सर्व सिद्धों के सुख समान क्यों हैं?

(ठ) क्या सिद्ध सिद्धशिला पर रहते हैं?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

निर्जरा–

(क) क्षायिक भाव छह में कौन? नौ में कौन?

अथवा

मिथ्यात्वी की निर्जरा के सम्बन्ध में आचार्य भिक्षु का क्या अभिमत है?

(ख) बंध–सिद्ध करें कि बन्ध पुद्गल की पर्याय है।

अथवा

मोक्ष–दशवैकालिक सूत्र में सिद्धि का क्रम क्या रखा है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 24

निर्जरा–

(क) व्युत्सर्ग पर टिप्पणी लिखें।

अथवा

प्रायश्चित तप किसे कहते हैं? उसके कितने भेद हैं?

(ख) बंध–कौन से गुणस्थान में कौन से बंध हेतु विद्यमान रहते हैं?

अथवा

मोक्ष–कर्म मुक्त जीव उर्ध्व गति क्यों करते हैं?

अवबोध (तप धर्म से बंध व विविध तक)–30

प्र. 4 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें– 18

(क) क्या छठा भाव भी होता है?

(ख) तप का उद्देश्य क्या है?

(ग) उपशम भाव कर्म की अवस्था मात्र है उसे संवर कैसे माना गया?

(घ) क्या कर्म आत्मा के सभी प्रदेशों में बंधते हैं?

(ड़) क्या ऐसी भी कोई कर्म प्रकृति है, जिसका बंध हुए बिना अनंत काल बीत गया?

(च) क्या चौदहवें गुणस्थान में जीव कर्म मुक्त हो जाता है?

(छ) भाव उणोदरी व पर्यव उणोदरी किसे कहते हैं?

(ज) भिक्षाचरी किसे कहते हैं? उसका दूसरा नाम क्या है?

(झ) घाती कर्मों में देशघाती कितने हैं और सर्वघाती कितने?

(ञ) पांच भाव कहां होते हैं?

(ट) कर्म की अवस्थाओं में उदयकालीन कितनी और बंधकालीन अवस्थाएं कितनी हैं?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 12

(क) करण किसे कहते हैं? उसके प्रकारों की व्याख्या करें तथा करण की उत्तर प्रकृतियां लिखें।

(ख) कषाय के 16 उदाहरण कौन से हैं?

(ग) कार्मण शरीर और कर्म एक ही है या दोनों में भिन्नता है? बंधने वाली कर्म वर्गणाएं क्या आठों कर्मों में समान रूप से विभक्त होती है या न्यूनाधिक?

(घ) एक कर्म की वर्गणा अधिकतम कितने भव तक भोगी जा सकती है? कर्म वर्गणा का बंध होता है, वे एक कर्म से सम्बंधित होती है या आठो कर्मों से?

श्रावक संबोध–20

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) 'प्रश्न प्रकरणगत सहेतुक' इन शब्दों द्वारा स्वयं ग्रंथकार ने क्या सूचना दी है?

(ख) आचार्यश्री तुलसी ने हाजरी का एवं मर्यादावलि का वाचन तथा लेखपत्र बोलने की क्या व्यवस्था की?

(ग) जैन संस्कार विधि में मुख्यतः किन तीन बातों पर विशेष ध्यान दिया जाता है?

(घ) आध्यात्मिक धर्म की व्यापक और आगमिक परिभाषा क्या है?

(ड़) गणधर गौतम ने किस आधार पर चौदह पूर्वों का निर्माण किया?

(च) धर्मप्रलोकी व धर्मवृत्तिकर का अर्थ लिखें।

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) नियतिवाद की धारा निर्मूल होने वाला पद्य लिखें।

(ख) एक वस्तु में निश्चित रूप से पाए जाने वाले विकल्प वाला पद्य लिखें।

(ग) संयम ही जीवन है घोष वाला पद्य लिखें।

(घ) आचार्य भिक्षु के प्रथम श्रावक व आश्रव को अजीव सुनकर बेचैन होने वाले श्रावक का वर्णन करने वाला पद्य लिखें।

(ड़) भगवान की आज्ञा ही धर्म है वाला पद्य लिखें।

(च) श्रावक भी साधुओं के लिए अपेक्षित है वाला पद्य लिखें।